



लैंडस्केपिंग: प्राकृतिक सौंदर्यता का भविष्य

* दीपिका साहू

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: dpkasahu887@gmail.com

लैंडस्केपिंग का अर्थ किसी खुले स्थान, बगीचे, घर, संस्था, पार्क या सार्वजनिक क्षेत्र को पौधों, रास्तों, बैठने की जगह, जल तत्व और अन्य सुविधाओं की सहायता से सुंदर, उपयोगी और व्यवस्थित बनाना है। आधुनिक समय में लैंडस्केपिंग केवल सजावट नहीं बल्कि पर्यावरणीय योजना का भी हिस्सा बन गई है। अच्छी लैंडस्केपिंग में सौंदर्य के साथ जल संरक्षण, जैव विविधता, उपयोगिता और रखरखाव की लागत पर भी ध्यान दिया जाता है।

लैंडस्केपिंग के प्रमुख तत्व

पेड़, आड़ियाँ, फूल, घास, बेलें, पथ, लॉन, बैठने की जगह और प्रकाश व्यवस्था इसके प्रमुख तत्व हो सकते हैं। बड़े स्थानों में जल संरचनाएँ, बच्चों के क्षेत्र और खुले सामुदायिक स्थान भी बनाए जा सकते हैं। हर तत्व को स्थान के उद्देश्य के अनुसार चुना जाता है। उदाहरण के लिए अस्पताल परिसर में शांत हरित क्षेत्र उपयोगी हो सकते हैं, जबकि विद्यालय में खुले और सुरक्षित स्थान अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

पौधों का चयन

पौधों का चयन स्थानीय जलवायु, मिट्टी, धूप, पानी और उपलब्ध स्थान के अनुसार होना चाहिए। स्थानीय या अच्छी तरह अनुकूलित पौधे अक्सर कम अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता रखते हैं। कम पानी में विकसित होने वाले पौधों का उपयोग जल संरक्षण में सहायता कर सकता है। पौधों का चयन करते समय उनके आकार और जड़ों के फैलाव को भी ध्यान में रखना चाहिए ताकि भविष्य में भवनों या रास्तों को नुकसान न हो।



लैंडस्केपिंग और पर्यावरण

हरित क्षेत्र स्थानीय वातावरण को अधिक आरामदायक बनाने में योगदान कर सकते हैं। पेड़ छाया देते हैं और पौधों से आसपास का हवा बेहतर होता है। मिट्टी से ढके क्षेत्र वर्षा जल के जमीन में जाने में सहायता कर सकते हैं। शहरों में हरित स्थान लोगों को प्रकृति से जुड़ने का अवसर देते हैं। पक्षियों और अन्य छोटे जीवों के लिए उपयुक्त पौधे लगाने से स्थानीय जैव विविधता को भी समर्थन मिल सकता है।

जल संरक्षण

लैंडस्केपिंग में पानी की आवश्यकता एक महत्वपूर्ण विषय है। ड्रिप या अन्य कुशल सिंचाई प्रणालियाँ पानी की बर्बादी कम कर सकती हैं। सुबह या शाम सिंचाई करने जैसी व्यवस्थाएँ भी कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकती हैं। वर्षा जल संचयन और जैविक मल्व का उपयोग मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद कर सकता है। डिजाइन बनाते समय पौधों की पानी की आवश्यकता को पहले से समझना चाहिए।

शहरी लैंडस्केपिंग

तेजी से बढ़ते शहरों में छोटे पार्क, सड़क किनारे हरियाली, संस्थागत परिसर और आवासीय उद्यान महत्वपूर्ण हैं। शहरी लैंडस्केपिंग लोगों को आराम, मनोरंजन और सामाजिक संपर्क के लिए स्थान देती है। सड़क किनारे पौधे लगाते समय यातायात, सुरक्षा, जड़ों और रखरखाव पर ध्यान देना चाहिए। उचित डिजाइन से हरित क्षेत्र लंबे समय तक उपयोगी रह सकते हैं।

लैंडस्केपिंग में उद्यान विज्ञान

लैंडस्केपिंग में पौधों की वृद्धि, खाद, सिंचाई, छँटाई, रोग और कीट प्रबंधन का ज्ञान आवश्यक होता है। पौधे केवल लगाना पर्याप्त नहीं है; उनकी नियमित देखभाल भी करनी पड़ती है। मौसमी फूलों और स्थायी पौधों का संतुलित उपयोग पूरे वर्ष स्थान को आकर्षक बनाए रखने में मदद कर सकता है।

आर्थिक महत्व

लैंडस्केपिंग से नर्सरी, पौध उत्पादन, बागवानी, डिजाइन, सिंचाई, रखरखाव और सजावटी सेवाओं में रोजगार पैदा हो सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षित माली और लैंडस्केप रखरखाव कर्मियों की आवश्यकता बढ़ सकती है। स्थानीय पौधों की नर्सरी और छोटे उद्यान व्यवसाय ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में आय का स्रोत बन सकते हैं।

टिकाऊ लैंडस्केपिंग

टिकाऊ लैंडस्केपिंग का लक्ष्य कम संसाधनों में लंबे समय तक उपयोगी हरित क्षेत्र बनाना है। इसके लिए स्थानीय पौधे, वर्षा जल संवयन, जैविक मल, कुशल सिंचाई और कम रसायन आधारित प्रबंधन उपयोगी हो सकते हैं। डिजाइन बनाते समय यह भी सोचना चाहिए कि भविष्य में पौधों की कटाई, पानी, श्रम और उपकरणों की कितनी आवश्यकता होगी।

निष्कर्ष

लैंडस्केपिंग सौंदर्य, उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ती है। सही पौधों का चयन, जल प्रबंधन और नियमित रखरखाव किसी भी स्थान को अधिक सुंदर और उपयोगी बना सकते हैं। भविष्य में टिकाऊ लैंडस्केपिंग का महत्व बढ़ेगा क्योंकि शहरों और संस्थानों को हरित स्थानों के साथ-साथ पानी और अन्य संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग भी करना होगा।